RPF रेल रक्षक भर्ती Class-29

History

राजराज प्रथम

→ प्रतापी शासक majestic ruler

⇒ 'वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण Construction of Brihadeeswarar Temple

⇒ नटराज की मूर्ति बनवायी Made idol of Nataraja

⇒ उपाधि – शिवपुसाद शेखर Title - Shivprasad Shekhar

⇒ दक्षिण भारत में भूमि मापने का पहला प्रयास किया The first attempt to measure land in South India

राजराज प्रथम

→ सबसे प्रतापी शासक
→ वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण
→ नटराज की मूर्ति बनवायी
→ दक्षिण भारत में भूमि नापने का पहला प्रयास
→ उपाधि = शिवपुसाद शेखर

राजेंद्र प्रथम

Imp.

→ दक्षिण भारत का सिकन्दर (नीलकंठ शास्त्री ने कहा The Alexander of South India (said by Neelkanth Shastri)

⇒ दक्षिण भारत का नेपोलियन (. स्मिथ ने कहा)
The Napoleon of India (said by V. Smith)

⇒ पाल वंश के शासक महिपाल को हराया
Defeated Mahiyal, the ruler of Pala dynasty

पालवंश
↓
संस्थापक
↓
गोपाल

→ राजेन्द्र प्रथम ने श्री लंका पर विजय प्राप्त की। (Imp.)
→ सर्वाधिक साम्राज्य का विस्तार इसी के शासनकाल में हुआ।
→ गंगैकोंडचोल की उपाधि धारण की पाल शासक महिपाल को हराने के पश्चात।

राजेन्द्र प्रथम
↓
उपाधि ← राजेन्द्र II
↓
पुकेसरी
↓
राजेन्द्र III → इस वंश का अंतिम शासक
↓
चोल वंश

राजचिह्न ← चेर वंश – केरल व तमिलनाडु का हिस्सा part of Kerala and Tamil Nadu
↓
धनुष Bow
Emblem

→ का पुराना नाम – चेर

संस्थापक :- उदयिनजेरल Founder – Udayinjeral
राजधानी :- वंजीपुर (वांजि) / करियर / तौंडी
Capital :- Vanjipur (Vanji) / Kariyur / Taundi

⇒ उदयिन जेरल → उपनाम : प्रियदस्सी Udayin Jeral
Nickname : Priyadassi

Imp. प्रिंसेस ने प्रियदस्सी का नाम (संबंध) श्रीलंका शासक तिस्य से जोड़ा

The princess linked Priyadassi's name (relationship) to Tisya, the Sri Lankan ruler.

⇒ टर्नर ने कहा - प्रियदस्सी अशोक ही है

Turner said - Priyadassi is Ashoka only

प्रियदस्सी / पियदर्शी

टर्नर ← (1) अशोक
(2) उदयिन जेरल
(3) श्री लंका का शासक तिस्य

चेर वंश → Emblem → धनुष उपाधि
→ केरल व तमिल का हिस्सा
→ संस्थापक - उदयिन जेरल → प्रियदस्सी

⇒ शेखगुडुतन - (लालचेर, भल्लाचेर उपाधि)

Sheikhgutuvan (Lalcher, Bhallacher title)

→ सती (कन्नगी) पूजा शुरू करवायी Sati (Kannagi) Worship Started
→ गजबाहु शासक (श्रीलंका) Gajabahu Ruler (Sri Lanka)

⇒ पेरुन जेरल → गन्ने की खेती शुरू की

⇒ Perunjeral → Started Sugarcane Cultivation

⇒ अंतिम शासक → मांदर जेल इम्पोरोई
⇒ Last Ruler Mandar Jail Imporo

पांड्य वंश

प्रतीक चिह्न - मछली Symbol - Fish
संस्थापक - नेडियोन Founder Nadeon
↳ समुद्रपूजा शुरू करवायी
Starting Sea worship
राजधानी - कोरकई / मदुरै (लम्बे समय तक)
Capital - Korkai / Madurai (long term)
मेगस्थनीज की इंडिका में पांड्य वंश की जानकारी मिलती है
Information about the Pandya dynasty of Megasthenes is found in Indica.

⇒ नेजुडेलियन Nejudelian
↳ कोवल को दंड दिया punished kovalan Promise

⇒ चेर और चोलो को संयुक्त रूप से हराया Defeated Chera and Cholo jointly
↳ तोंडियांगलम का युद्ध Battle of Tattayan galam

अंतिम शासक → मारवर्मन कुलशेखर
Last ruler :→ Maravarman kulasekhara

संगम युग

⇒ ऐतिहासिक युग के प्रारंभ में दक्षिण भारत (South India) का क्रमबद्ध इतिहास हमें जिस साहित्य से ज्ञात होता है उसे संगम साहित्य कहते हैं।

संगम → शब्द का अर्थ परिषद (Council) अथवा गोष्ठी होता है। जिसमें तमिल कवि एवं विद्वान इकट्ठे होते हैं।

संगम युग की जानकारी के स्त्रोत (Source of Sangam Yug)

(1) अशोक के अभिलेखों (Inscription) में चोल, चेर, पांड्य के बारे में बताया गया है।

(2) कलिंग के खारवेल के हाथीगुम्फा अभिलेख में तमिल राज्यों का उल्लेख।

संगम साहित्य : (100 AD - 300 AD के मध्य)

- मूल विषय - वीरता एवं प्रेम Basic theme - Bravery and love
- प्रमुख ग्रन्थ - तिरुवल्लूर का तिरुक्कुरल - ग्रन्थ
  - major text / Thirukkural of Tiruvallur
    - तिरुक्कुरल ⇓ लेखक ⇒ तिरुवल्लूर
    - लेखक Author
    - संगम का बाइबिल (Bibal of Sangam)
    - संगम की गीता (Geeta of Sangam)
    - संगमकाल का उपवेद Upveda's of Sangam

↳ संगम का पंचवेद
Panch Vedo's of Sangam

जैन धर्म से सम्बंधित ← शिल्पादिकारम
Related to Jainism Shilpadikaram

लेखक
Author
इलांगो आदिगल
इलांगोआदिगल
Ilogodigal

→ ग्रन्थ
Granth

→ पात्र - (कोवलन व्यापारी) Character
Merchant Kovalan

दक्षिण भारत की पार्वती ← (कन्नगी) पत्नी
The parvati South India kannagi

शिल्पादिकारम
⇓
Author ⇒ इलांगोआदिगल
↳ Charater (पात्र)
(1) कावेरीपट्टनम् के कोवलन (व्यापारी)

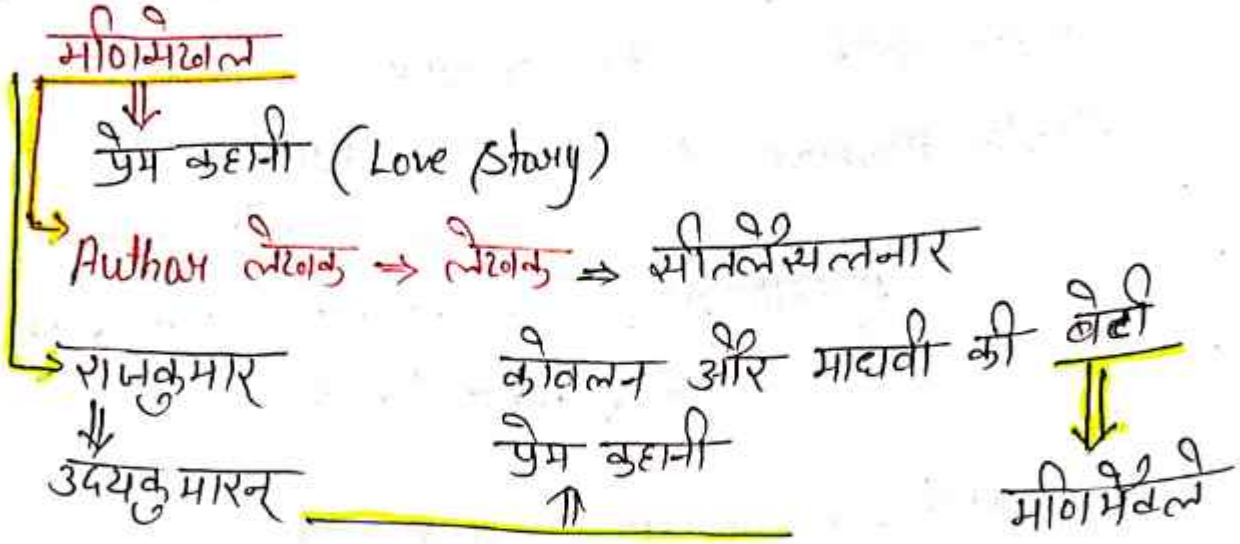
पत्नी → कन्नगी

प्रेमिका (नर्तकी dancer
⇓
माधवी

नुपुर की कहानी
(पायलों का गीत)

माधवी Madhavi — प्रेमिका

मणिमेखल के लेखक → सतनार Author of Manimaikhal → Sathan
↓ ग्रन्थ
बौद्ध धर्म से From Buddhism सीतलैसत्तना
र



⇒ संगम साहित्य में 8898 कवियों ने भाग लिया जिसे पांड्य शासकों ने आश्रय दिया
8898 poets participated in the Sangal literature, which was given shelter by the pandya rulers.

(कुल राज्य 197) (Total States -197)

⇒ संगम साहित्य में तीन वंशों के बारे में जानकारी मिलती है –
चोल, चेर और पांड्य
Information about three dynasties is found in the Sangam literature Cholas Cheras and Pandyas.

⇒ तीन संगम परिषद आयोजित हुयी - Three Sangam Parishads were Organized

1. मदुरै – अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - इसका कोई प्रमाण नहीं है,
Madurai - Agastya Rishi (Chairman) - no proof

2. कपाटपुरम् – अगस्त ऋषि (अध्यक्ष) - प्रमुख ग्रन्थ
Kapatapuram - Agastya Rishi (Chairman) Major texts

3. उत्तरी मदुरै – नक्कीरर (अध्यक्ष)

North Madurai – Nakkirar (Speaker)

तोलकाप्पियम् → दूसरे संगम में लिखा गया।

→ द० भारत का पहला व्याकरण ग्रन्थ

→ 8 प्रकार के विवाह

मदुरै → अध्यक्ष = अगस्त ऋषि

कपाटपुरम् " = "

उ० मदुरै = नक्कीरर